Series ABCD5/5

SET No. 3

प्रश्न पत्र कोड **2/5/3**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **3** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **7** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 40*

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए:

(i) *इस प्रश्न-पत्र में* ***वर्णनात्मक*** *प्रश्न पूछे गए हैं।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में* ***दो*** *खण्ड हैं- खण्ड* ***'क'*** *और खण्ड* ***'ख'****।*

(iii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल 7 प्रश्न पूछे गए हैं।* ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*

(iv) *प्रश्नों में आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।*

खण्ड 'क'
(कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन)

1. निम्नलिखित दिए गए तीन शीर्षकों में से किसी **एक** शीर्षक पर लगभग 150 से 200 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : $1\times5=5$

(क) जीवन में आगे बढ़ती लड़कियाँ

(ख) बदलते सामाजिक रीति-रिवाज

(ग) मेरी पहली रेल यात्रा/विमान यात्रा

2. (क) आपका नाम प्रशान्त/प्रतीक्षा है। आप अपने विद्यालय में 'तुलसी-जयंती' मनाना चाहते हैं। इस संबंध में अपने प्राचार्य को पत्र लिखकर कार्यक्रम के संबंध में अनुमति माँगिए और उनसे कार्यक्रम की अध्यक्षता करने का अनुरोध कीजिए। 5

अथवा

(ख) आप अकबर/अमीना हैं। आप इसी वर्ष 18 वर्ष के हुए हैं। आपने ऑनलाइन मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने तथा मतदाता पहचान-पत्र बनवाने के लिए आवेदन किया है। लेकिन आपके पास इस संबंध में कोई सूचना नहीं आई है। इस संदर्भ में निर्वाचन आयुक्त को शिकायती पत्र लिखिए।

3. (क) (i) कहानी के संवादों का नाट्य रूपांतरण करते समय किन तथ्यों का ध्यान रखना आवश्यक है और क्यों? 3

अथवा

(ii) कहानी में वर्णित पात्रों का चरित्र-चित्रण, नाटक में किस प्रकार दिखाया जाता है ?

(ख) (i) मंच पर अभिनीत किए जाने वाले नाटकों से रेडियो नाट्य लेखन में क्या अंतर है और क्यों ? 2

अथवा

(ii) कथानक से आप क्या समझते हैं। कहानी या नाटक में इसे केंद्रीय बिन्दु क्यों माना जाता है ?

4. (क) (i) समाचार-पत्र में 'संपादक के नाम पत्र' स्तंभ का क्या महत्त्व है और क्यों ? 3

अथवा

(ii) 'विशेष लेखन' का क्या आशय है ? इसकी भाषा शैली कैसी होनी चाहिए और क्यों ?

(ख) (i) अच्छे फीचर की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

अथवा

(ii) विशेष लेखन के दायरे में आजकल किन विषयों को अधिक महत्त्व मिल रहा है ? किन्हीं दो महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड 'ख'

(पाठ्यपुस्तक और अनुपूरक पाठ्यपुस्तक)

5. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2\times3=6$

(क) फिराक गोरखपुरी की गजल में किस प्रकार की भावनाएँ और भाषा शैली का प्रयोग हुआ है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) ''उहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले बचन मनुज अनुसारी''
तुलसीदास द्वारा रचित उपर्युक्त पंक्तियों का भाव स्पष्ट करते हुए अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ग) 'उषा' कविता में प्रकृति में होने वाले परिवर्तन, मानवीय जीवन के चित्र बनकर अभिव्यक्त हुए हैं, कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए : $3\times3=9$

(क) 'स्वतंत्रता' के संदर्भ में डॉ. आंबेडकर के विचारों का उल्लेख कीजिए।

(ख) ''मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से जमीन और जनता बँट नहीं जाती।'' 'नमक' कहानी से उद्धृत कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' पाठ के आधार पर 'दासता' की व्यापक परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'ढोलक की थाप मृत-गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी।' - कथन का आशय 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5

(क) (i) मोहन जो-दड़ो की सभ्यता और संस्कृति का सामान भले अजायबघरों की शोभा बढ़ा रहा हो, शहर जहाँ था अब भी वहीं है, कैसे ? ''अतीत में दबे पाँव'' के आधार पर समझाइए। 3

अथवा

(ii) ''हमारे सीने पर चमकता पीला सितारा सारी दास्तान खुद ही कह देता था'' - ऐन फ्रैंक की ''डायरी के पन्ने'' पाठ के आधार पर कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ख) (i) 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि ऐन फ्रैंक के मन में प्रकृति के प्रति असीम प्रेम था। 2

अथवा

(ii) नगर नियोजन की दृष्टि से मोहन जो-दड़ो अनूठी मिसाल कैसे है ? उदाहरण सहित लिखिए।

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट टर्म - II परीक्षा, 2022

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न पत्र कोड : 2/5/1, 2/5/2, 2/5/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
6. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
7. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी

ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।
10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-40 (उदाहरण 0-40 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **30** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 35 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं ।

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

13. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
14. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
15. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
16. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
17. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है ।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

मार्च -2022

अंक योजना : हिंदी - आधार (302), प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या 2/5/1, 2/5/2, 2/5/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 40

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं	**प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या**			**उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु**	**निर्धारित अंक विभाजन**
	2/5/1	**2/5/2**	**2/5/3**		
				खंड (क) **(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन)**	
1.	**1.**	**1.**	**1.**	**किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख अपेक्षित** • भूमिका • विषयवस्तु • भाषा	 1 3 1
					5
2.	**2.**	**2.**	**2.**	**पत्र लेखन** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ • विषयवस्तु • भाषा	 **1** **3** **1**
					5
3.	**3. (क) (i)**	**3.(क) (i)**	**3. (क) (i)**	• दृश्य की आवश्यकतों की पूर्ति तथा क्रमिक विकास को प्रदर्शित करने वाले संवाद । • लिखे गये संवाद कहानी के मूल संवाद से मेल खाते हों । • संवाद छोटे प्रभावशाली और बोलचाल की भाषा में हों । • संवाद इस प्रकार लिखे जाएँ कि कहानी अभिनय के माध्यम से सरलता से समझी जा सके । • संवादों में स्थानीय भाषा का प्रयोग करके पात्र के चरित्र को परिमार्जित किया जा सकता है । **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**2+1**
	अथवा (क)(ii)	**अथवा (क)(ii)**	**अथवा (क)(ii)**	• पात्रों की भाव-भंगिमाओं और उनके तौर-तरीके के माध्यम से ।	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/5/1	2/5/2	2/5/3		
				• कथानक के समय और परिस्थिति के अनुरूप संवाद योजना से चरित्र-चित्रण किया जा सकता है । • ध्वनि और प्रकाश का संयोजन भी चरित्र-चित्रण करने तथा संवेदनात्मक प्रभाव उत्पन्न करने में सहायक सिद्ध हो सकते है । • पात्रों की वेशभूषा, स्वगत कथन और हाव-भाव द्वारा भी उनका चरित्र चित्रण किया जा सकता है । **(कोई भी तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	(ख)(i)	**(ख)(i)**	**(ख)(i)**	**अंतर :** • मंच पर अभिनीत किए जाने वाले नाटकों से भिन्न रेडियो नाटक में दृश्य नहीं होते, उसका निर्माण भी ध्वनि प्रभावों और संवादों के जरिए करना होता है • रेडियो नाटक श्रव्य माध्यम है । वहाँ संप्रेषण आवाज के माध्यम से ही होता है । • पात्रों की सीमित संख्या होती है । • पात्रों की जानकारी संवादों एवं ध्वनि संकेतो से । **(क्या और क्यों हेतु)** क्योंकि नाटक दृश्य श्रव्य प्रधान होने के कारण समझना सरल है जबकि रेडियो नाटक केवल श्रव्य माध्यम में ही प्रस्तुत किया जाता है **(कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)**	**1+1**
	अथवा (ख)(ii)	**अथवा (ख)(ii)**	**अथवा (ख)(ii)**	• कथानक, कहानी या नाटक के लेखक के मन में उपजी किसी घटना, जानकारी, अनुभव या कल्पना का प्रारंभिक चित्र (बिंदु) होता है। • इसे नाटक या कहानी का केंद्रीय बिंदु इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसी के आधार पर पात्र, संवाद, देशकाल, स्थान और परिवेश का ताना-बाना बुना जाता है।	**1+1**
4.	**4. (क)(i)**	**4. (क)(i)**	**4. (क)(i)**	• समाचार पत्र का एक स्थायी स्तंभ • पाठकों का अपना स्तंभ • विभिन्न मुद्दों पर पाठकों की राय और जन समस्याओं को उठाने का माध्यम • जनमत का प्रतिबिंब एवं अभिव्यक्ति का माध्यम • नए लेखकों के लिए लेखन की शुरुआत करने का माध्यम	**1+1+1**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/5/1	2/5/2	2/5/3		
	अथवा (क)(ii)	**अथवा (क)(ii)**	**अथवा (क)(ii)**	• समाचार पत्र पर भी सकारात्मक नियंत्रण एवं लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बनाये रखने के लिए **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)** • समाचार पत्र-पत्रिकाओं में सामान्य लेखन से हटकर लिखा गया लेखन • सरल, सहज और रोचक भाषा शैली • संबंधित विषयों की तकनीकी एवं पारिभाषिक शब्दावली से युक्त होते हुए भी पाठकों की समझ में आने वाली भाषा एवं शैली • क्षेत्र विशेष की आवश्यकताओं के अनुकूल भाषा एवं शैली **(क्या, कैसी एवं क्यों का उत्तर देते हुए तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ख)(i)	**(ख)(i)**	**(i)(ख)**	• फीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और मुख्य रूप से मनोरंजन करना है। • प्रारंभ आकर्षक, उत्सुकता और जिज्ञासा से भरा हो । • पठनीय, रोचक और सूचनात्मक हो । • प्रारंभ, मध्य और अंत सहज और स्वाभाविक तरीके से एक-दूसरे से जुड़े हुए हों । **(कोई भी दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	अथवा (ख)(ii)	**अथवा (ख)(ii)**	**अथवा (ख)(ii)**	• कारोबार, सिनेमा, मनोरंजन, फैशन, स्वास्थ्य, खेल, विज्ञान, पर्यावरण, शिक्षा, जीवन-शैली, राजनीति और रहन-सहन आदि **(किन्हीं दो महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों का उल्लेख)**	**1+1**
				खंड–ख **(पाठ्यपुस्तक और अनुपूरक पाठ्यपुस्तक)** **(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	
प्रश्न 5	**5. (क)**	**5. (क)**	**5. (क)**	• फ़िराक गोरखपुरी की गज़ल में प्रकृति सौंदर्य, प्रेम, दर्द और शायर के अभिमान (ठसक) का वर्णन। • पारंपरिक शब्दावली के साथ अरबी-फ़ारसी, उर्दू मिश्रित भाषा का प्रयोग • संवादात्मक शैली में शेर लिखे हैं।	**3**

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/5/1	2/5/2	2/5/3		
	(ख)	(ख)	(ख)	• लक्ष्मण के प्रति राम के अंतर में छिपे प्रेमभाव की मार्मिक अभिव्यक्ति। • भाई के शोक में विगलित राम का विलाप धीरे-धीरे प्रलाप में बदल जाता है और वह सामान्य मनुष्यों की तरह बोलने लगते हैं। • इस प्रसंग में कवि ने अवतारी राम का पूरी तरह से मानवीकरण किया है। दुख सभी को झकझोरता है। **(छात्रों द्वारा अपने शब्दों में की गई भावाभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)**	3
	(ग)	(ग)	(ग)	• 'उषा' कविता में भोर के समय होने वाले प्राकृतिक दृश्य धरती के जीवन भरे प्रसंगों से जुड़े हैं। • ये चित्र गाँव की सुबह से जुड़े हैं–वहाँ सिल है, राख से लीपा हुआ चौका है, और है स्लेट की कालिमा पर चाक से रंग मलते हुए छोटे-छोटे बच्चों के अदृश्य हाथ। • प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों के साथ-साथ मानव जीवन के क्रियाकलापों की झांकी	3
प्रश्न 6	6.			**(किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	
	(क)	--	--	• रात्रि के समय गाँव का भयावह चित्रण • महामारी से गाँव में भय का वातावरण • रात डरावनी, सुनसान • प्रकृति भी मानो महामारी से ग्रसित गाँववालों की करुण स्थिति को देख द्रवित हो रही थी **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ख)	--	--	• अपनी माँ की तरह दिखने वाले व्यक्तित्व (भारी-भरकम जिस्म, छोटी-छोटी चमकदार आँखें) के आधार पर • रहम, नेकदिल • पहनावा भी माँ जैसा ही • विचारों में भी समानता देखकर **(कोई भी तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ग)	--	--	• उद्योग-धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में विकास और परिवर्तन के कारण • व्यवसाय अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने की स्थिति के कारण	1½+1½=3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/5/1	2/5/2	2/5/3		
				• भूख और बेरोजगारी के कारण **परिणाम** • कार्यकुशलता में कमी आयेगी • अरुचि एवं विवशतापूर्ण कार्य करने से गुणवत्ता घटेगी • निष्फल या निरर्थक कार्य करने के लिए प्रेरित	
	(घ)	6. (घ)	--	• शारीरिक वंश परंपरा • सामाजिक उत्तराधिकार • मनुष्य के अपने प्रयत्न	3
	--	(क)	--	• चाँद सिंह को • उसके हृष्ट-पुष्ट शरीर और अपनी जोड़ी और उम्र के सभी पहलवानों को पछाड़ने के कारण • उसके टक्कर का कोई पहलवान नहीं होने के कारण • उसकी चुनौती किसी के द्वारा स्वीकार नहीं होने के कारण	3
	--	(ख)	--	अपनी लाहौर यात्रा के दौरान जब सफ़िया ने अपने भाई से नमक भारत ले जाने के विषय में पूछा। आशय–विभाजन के दौरान भारत के पास नमक का क्षेत्र अधिक आया है। भारत की समुद्री सीमा पाकिस्तान से अधिक है। इस कथन के माध्यम से सफ़िया के भाई द्वारा कटाक्ष किया गया है कि जो चीज उसके देश में पहले से उनसे अधिक है, उसकी उसे ले जाने की क्या आवश्यकता है।	3
	--	(ग)	--	• रुचि और क्षमता के आधार पर श्रम-विभाजन न किए जाने की स्थिति, मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर काम करने के लिए प्रेरित करती है। • उसकी उत्पादन क्षमता घट जाती है। • उसकी कार्य-कुशलता कम हो जाती है। • समाज के लिए भी ऐसी स्थिति आर्थिक दृष्टि से हानिकारक है। **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/5/1	2/5/2	2/5/3		
	--	--	6. (क)	• गमनागमन की स्वतंत्रता • संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता • जीवन सुरक्षा की स्वतंत्रता • जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औजार व सामग्री रखने के अधिकार की स्वतंत्रता • शक्ति के सक्षम, प्रभावशाली प्रयोग की भी स्वतंत्रता • निर्णय लेने की स्वतंत्रता **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	--	--	(ख)	• दोनों देश बँटवारे से पहले एक राष्ट्र • बँटवारे के बाद भी दोनों जगहों के लोगों में मातृभूमि के प्रति लगाव • सीमा के आर-पार भी रिश्ते-नाते • समान भावनाएँ • सिख बीबी, कस्टम अधिकारी का उदाहरण • बंटवारें को अंतर्मन से स्वीकार न करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	--	--	(ग)	डॉ० अंबेडकर जी के अनुसार 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता बल्कि 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है, जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है। **(छात्रों के विचार भी स्वीकार्य)**	3
	--	--	(घ)	• रात में ढोलक की आवाज़ सुनकर हताश, निराश, उदास लोगों के मन में उत्साह भावना जागृत होना । • ढोलक की आवाज़ से अपने को जोड़ कर दुख को भूल जाना • महामारी की सार्वनाशिक शक्ति को न रोक पाने पर उन्हें मृत्यु का सामना करने का सामर्थ्य देती थी • महामारी से लड़ने की प्रेरणा देना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
प्रश्न 7	**7. (क)**	**7. (क)**	**7. (क)**	• शहर की बनावट और बसावट को महसूस करना	3

प्रश्न सं	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/5/1	2/5/2	2/5/3		
				• दीवारों, अवशेष आदि को देख जीवंतता का अहसास करना • वास्तविक स्थान पर शहर को महसूस करना • यहाँ की सड़कों और गलियों में घूमने की सुविधा होना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	
	अथवा **(ii)**	**अथवा** **(ii)**	**अथवा** **(ii)**	• यहूदियों की पहचान • हिटलर के शासन में यहूदियों की पहचान के लिए पीला सितारा पहनने का नियम होना। • दोयम दर्जे का नागरिक करार कर देने का दुख।	**3**
	(ख) **(i)**	**(ख)** **(i)**	**(ख)** **(i)**	• अज्ञातवास के दौरान प्रकृति के नजारे देखने के लिए अकेले, रात्रि में ज़बरदस्ती आँखें खोलकर खिड़की के पास बैठे रहना। • आसमान, बादलों, चाँद और तारों की तरफ देखकर आशा की भावना से सराबोर होना । • प्रकृति के संपर्क में आकर शांति का अनुभव करना । • बरसात की रात में चलने वाली हवाओं का आनंद लेना । **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	अथवा **(ख)** **(ii)**	**अथवा** **(ख)** **(ii)**	**अथवा** **(ख)** **(ii)**	• श्रेणीबद्ध (ग्रिड प्लान) नगर नियोजन • समकोण पर काटती सीधी सड़कें • जल निकासी के लिए अधिकांशतः पक्की और ढकी नालियाँ • महाकुंड, जल प्रबंधन के लिए 700 से अधिक कुएँ • सामुदायिक भवन, अनाज रखने के लिए कोठार आदि **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**

****